



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधरण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 253] नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 6, 1971/चैत्र 16, 1893

No. 253] NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 6, 1971/CHAITRA 16, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT & INTERNAL TRADE

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 6th April 1971

S.O. 1559/15/IDRA/71.—Whereas the Central Government is of the opinion that there has been or is likely to be substantial fall in the volume of production in respect of cotton textiles manufactured in the industrial undertaking known as the Ajudhia Textile Mills, Ltd., Delhi, for which having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

Chairman

- (1) Shri H. C. Jain, General Manager, Delhi Cloth Mills, Delhi.

Members

- (2) Shri M. G. Mirchandani, Director (Technical), National Textile Corporation Ltd.
(3) Shri K. K. Dhar, Managing Director, National Textile Corporation Ltd.

(1821)

- (4) Shri T. S. V. Panduranga Sarma, Deputy Director, Inspection, Department of Company Affairs, New Delhi,
 (5) Shri L. N. Saklani, Director of Industries, Industries Directorate, Delhi Administration, Delhi.

Member-Secretary

- (6) Shri G. A. Sheth, Deputy Director, Regional Office of the Textile Commissioner, Kanpur.

[No. 3(8)Lic.Pol./71.]

K. D. N. SINGH, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास तथा आन्तरिक व्यापार मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आवेश

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1971

का० आ० 1559/15/आई० जी० आर० ए०.—यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि प्रजुध्या टेक्सटाइल्स मिल्स लि०, दिल्ली नामक औद्योगिक उपक्रम में निमित्त सूती वस्त्रों के सम्बन्ध में उत्पादन के परिमाण में भारी गिरावट हुई है अथवा होने की संभावना है, जिसके लिये, विद्यमान आर्थिक स्थितियों को देखते हुए कोई औचित्य नहीं है ;

अतः अब उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार मामले की परिस्थितियों की समग्र तथा पूर्ण जांच करने के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित व्यक्तियों के एक निकाय की एतद्द्वारा नियुक्ति करती है :—

अध्यक्ष

- (1) श्री एच० सी० जैन,
 महा प्रबन्धक,
 दिल्ली क्लाय मिल्स,
 दिल्ली ।

सदस्य

- (2) श्री एम० जी० मीरबन्दाजी,
 निदेशक (तकनीकी),
 राष्ट्रीय वस्त्र निगम लि० ।
 (3) श्री के० के० धर,
 प्रबन्ध निदेशक,
 राष्ट्रीय वस्त्र निगम लि० ।
 (4) श्री टी एम० वी० पांडुरंग शर्मा,
 उप-निदेशक, निरीक्षण,
 समवाय कार्य विभाग, नई दिल्ली ।
 (5) श्री एल० एन० सकलानी,
 उद्योग निदेशक, उद्योग निदेशालय,
 दिल्ली प्रशासन, दिल्ली ।

सबस्य सचिव

- (6) श्री जी० ए० सेठ,
उप-निदेशक,
वस्त्र आयुक्त का क्षेत्रीय कार्यालय,
कानपुर ।

[सं० 9 (8) लिफ० पोल०/71]

के० जी० एन० सिंह, संयुक्त सचिव ।

